इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, इंद्रप्रस्थ, नई दिल्ली में द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट द्वारा आयोजित "श्री श्री द्रौपदी महोत्सव" के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट की संस्थापक ट्रस्टी और चेयरपर्सन, सुश्री नीरा मिश्रा जी;

द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी, श्री राकेश सी मिश्रा जी;

विशिष्ट अतिथिगण; देवियो और सज्जनो;

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रचार और प्रसार के क्षेत्र में काम कर रही द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट की स्थापना के बीस वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित इस समारोह में आप सभी के बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

मैं ट्रस्ट की संस्थापक और चेयरपर्सन सुश्री नीरा मिश्रा जी एवं अन्य सदस्यों को हार्दिक बधाई और साधुवाद देता हूँ।

आपके ट्रस्ट का कार्य क्षेत्र है - हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और इतिहास की लोगों में बेहतर समझ विकसित करना। इसके लिए आप शोध और अनुसंधान को प्रोत्साहित करते हैं, वर्कशॉप, जागरूकता अभियान, प्रदर्शनी, राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जनता को शिक्षित करने का काम करते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि आज आपने इस कार्यक्रम से विदेशी राजदूतों और अन्य अतिथियों को भी जोड़ा है।

इससे न सिर्फ भारत के समृद्ध और गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं को सामने लाने में सहायता मिलती है बल्कि देश में सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता है।

आपने जनता को महाभारत काल के हमारे समृद्धशाली इतिहास से परिचित कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही, हमारी प्राचीन संस्कृति को पुनर्जीवित करके हमारे सामने एक उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है।

साथियों, हम सभी को अपने गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति पर गर्व है।

ढाई -तीन हजार वर्ष पहले जब विश्व अज्ञानता और अशिक्षा के अंधकार में डूबा था, तो हमारे देश में विश्व की ऐसी सभ्यता विकसित हुई थी जिसने कला, विज्ञान, साहित्य, चिकित्सा, दर्शन सभी क्षेत्रों में ज्ञान का शिखर प्राप्त किया था। असाधारण बात यह है कि इन सभी क्षेत्रों में महिलाओं का योगदान पुरुषों के समतुल्य था, वे पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही थीं।

हमारा इतिहास रहा है कि हमने सदैव शांति और अध्यात्म के माध्यम से विश्व को प्रभावित किया है।

भारतीय संस्कृति का यह अनोखा इतिहास हमारे महान देश को एक अद्वितीय पहचान देता है जिसकी ओर पूरा विश्व आशा भरी दृष्टि से देखता है।

यदि हम महाभारत की बात करें तो यह हमारे सभ्यता और संस्कृति की सबसे अमूल्य निधि है। यह एक ऐसी कृति है जिसने हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, सभ्यतागत मूल्यों को संस्कारों को परिभाषित किया है। यह एक समग्र ग्रंथ है जिसमें व्यक्तिगत आचरण, पारिवारिक संबंध, राज्य व्यवस्था, अर्थ व्यवस्था और अध्यात्म सभी मूल्यों का सार है।

महाभारत हमारे देश की पहचान होने के साथ साथ हमारी संस्कृति का सार है। श्रीमद्भागवत गीता इसी महाग्रन्थ का एक भाग है। इस प्रकार का और कोई ग्रंथ संभवतः पूरे विश्व में कहीं नहीं मिलता।

महाभारत के अंदर महारानी द्रौपदी का व्यक्तित्व संभवतः सबसे सशक्त है। महारानी द्रौपदी तप, शौर्य और गरिमा की प्रतीक हैं। न्याय के प्रति अटूट आस्था, परिवार के प्रति त्याग, धर्मपरायणता और दूरदर्शिता, जैसे सर्वश्रेष्ठ गुण उनमें देखने को मिलते हैं।

जीवन में अनेक चुनौतियों के बावजूद, उनकी अपने आदर्शों और मूल्यों में दृढ़ आस्था बनी रही। अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करना, न्याय की रक्षा करना, निष्पक्षता और समानता का सम्मान करना जैसे गुण हर युग में प्रासंगिक होते हैं और जीवन और मानवता के मूल सिद्धांतों का निर्माण करते हैं। अपने समय के समाज के बीच उन्होंने अपने लिए सम्मान और न्याय की मांग की; स्त्री-पुरुष समानता की मांग की, और हमारे इतिहास और संस्कृति की यह विशेषता रही है जिसमें महिलाओं ने अलग-अलग रूपों में देश के इतिहास में अपनी एक अलग छाप छोड़ी है।

चाहे स्वतंत्रता आंदोलन हो, संविधान का निर्माण हो, अथवा स्वतंत्रता के बाद हमारी लोकतान्त्रिक यात्रा हो, प्रत्येक समय में हमारी महिलाओं ने उल्लेखनीय योगदान दिया है।

आज भारतीय महिलाएं सहभागिता से नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रही हैं; आज हम वीमेन डेवलपमेंट के स्थान पर वीमेन लेड डेवलपमेंट की बात कर रहे हैं। महिला नेतृत्व अब हमारे नए भारत की विकास गाथा का एक अभिन्न अंग है।

आज वित्तीय समावेशन से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा से लेकर आवास तक, शिक्षा से लेकर उद्यमिता तक, हर मोर्चे पर भारत की विकास यात्रा में हमने नारी शक्ति को सर्वोपरि महत्व दिया है।

सरकारी योजनाओं में महिलाओं का एक विशेष कंपोनेंट है जो उन्हें इनका एक महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर बना रहा है।

आज हमारे देश में राष्ट्रपति से लेकर फाइटर पायलट तक महिलायें है। संसद से लेकर पंचायत तक महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आर्मी से लेकर पुलिस बल का नेतृत्व महिलायें कर रही हैं। जेन्डर जस्टिस के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

इस वर्ष भारत जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत ने सदैव विश्व में लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रसार के लिए कार्य किया है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्य हमेशा से हमारी संस्कृति के आधार रहे हैं।

हमारा प्रयास रहेगा कि जी-20 के अंदर महिलाओं के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई जाए।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के पथ पर आगे बढ़ते हुए हमें प्रत्येक महिला को अपनी राष्ट्रीय प्रगति में भागीदार बनाने का प्रयास करना है। हम एक ऐसी व्यवस्था के निर्माण के लिए काम करें जिसमें महिलाओं और युवाओं की क्षमता का पूरा विकास हो।

आइए इस अमृत काल में, हम अपने प्रयासों को दोगुना करें और महिलाओं के नेतृत्व में विकास के इस जन आंदोलन में अपना हरसंभव योगदान दें ताकि भारत विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके।

मैं द्रौपदी ड्रीम ट्रस्ट को पुनः हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इंद्रप्रस्थ वार्ता, आदि कला पेंटिंग प्रदर्शनी और अन्य सभी कार्यक्रम सफल रहेंगे। आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।